

तारीख
हुकम

हुकम कार्यवाही मय इनिशियल जज

नम्बर व तारीख
अनुयाय जो इस
हुकम की तादील
में जारी हुए

7/9/21

प्राथी / यादी / अपीलेंट के वकील श्री अशोक चन्द प्रियदर्शी
ने यह प्रार्थना पत्र / याद / अपील धारा 21 राजस्थान
कार्यकारी अधिनियम / यू-राजस्व अधिनियम के अन्तर्गत पेश किया है। जो दर्ज
रजिस्टर हो। विप्राथी / प्रतिवादी / रैस्पोंडेन्ट जरीमें नोटिस / सम्पन तलब होकर
पञ्चावली वास्ते जवाब दिनांक 15/11/21 को पेश हो।

(प्रा)

वकायल इतिहास

15/11/21

पञ्चावली गाऊ उद्धारन गाँव के मीरा
कमिन्स प्रिवि रीगादर खुदी फेरा हुर्ग
पञ्चावली क पञ्चावली पर उदलबध रेकर
739-निर्देश का क्लेमेट व इदम
किना जमा पञ्चावली को प्रजमे कान
हुका जमा लेव प्रजमे काम जात कार्य
की गरी। आदीतिन का रचना जरीन
पत्र हवीकार योग्य नहीं होने के कस्केकार
कर कारिक किना जाता है पञ्चावली किरी
भुक्त होकर मूल जरीन पत्र के साथ
नहीं हो।

(प्रा)

अधिवक्ता अधिकारी, गुडामालानी



श्रीमान उपखण्ड अधिकारी महोदयजी,
गुडामालानी - बाडमेर

प्रार्थीगण :-

1. डुगराराम पुत्र चोलाराम
 2. लालाराम पुत्र चोलाराम
- जातियान जाट निवासी राणासर खुर्द
तहसील गुडामालानी जिला बाडमेर
बनाम

विप्रार्थी :-

राजस्थान राज्य द्वारा

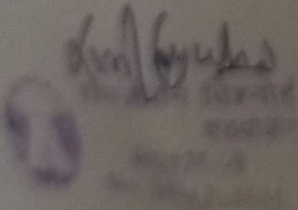
श्री तहसीलदार गुडामालानी जिला बाडमेर

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 81 राजस्थान भू

राजस्व अधिनियम प्राप्त करने स्थगन

महोदयजी

- प्रार्थीगण का आवेदन पत्र निम्न अनुसार है :-
1. कि प्रार्थीगण ने माननीय न्यायालय मे एक राजस्व आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा 131,136 राजस्थान भू राजस्व अधिनियम मे पेश किया है जिसमे वर्णित तथ्यो व दस्तावेजा से प्रथम दृष्टया प्रमाणित होने से सफलता मिलने की पुर्ण सभावना है।
 2. कि ग्राम राणासर खुर्द पटवार मंडल राणासर खुर्द तहसील गुडामालानी मे प्रार्थीगण का खातेदारी का खेत खसरा नम्बर 28 रकबा 13 बीघा 16 बिस्वा का आया है , जिसके पश्चिम सेढे पर सरकारी सडक / रास्ता आया है , प्रार्थीगण के खेत के पश्चिम सेढे का रकबा 19 बिस्वा इस रास्ता के अधिन है।



डुगराराम

3. कि राज्य सरकार ने सडक का इस क्षेत्र मे निर्माण कराया है तथा यह सडक प्रार्थीगण के खेत के बिच मे बनी है इस सडक का काफी भाग खातेदारी के खेतो के भीतर से होकर निकलता है, प्रार्थीगण के खेत खसरा नम्बर 28 रकबा 13 बीधा 16 बिस्वा मे से 19 बिस्वा भूमि इस सडक के निर्माण के अधीन चली गई है।
4. कि जब इस सडक की सर्वे प्रारम्भ हुआ था उस समय प्रार्थीगण ने आपति भी की थी कि जब पश्चिम दिशा मे रास्ता उपलब्ध है तो उसे छोडकर पुर्व दिशा मे नया सडक/रास्ता कायम करने का कोई औचित्य नही है इससे कृषक को आर्थिक क्षति होगी उस समय सडक सर्वे करने वाले कर्मचारियो व अधिकारियो ने प्रभावित खातेदार कृषको को आश्वस्त किया था कि जिन खेतो के पास से होकर पहले से ही रास्ता है तथा उस रास्ते को छोडकर उसी खातेदारी की अन्य भूमि मे जहा सडक निकल रही है उन खातेदारो को उन पुराने रास्ते की भूमि सडक के अधीन जाने वाली भूमि के बदले दे दी जावेगी व भूमि पर सडक निर्माण स्थान पर रेकर्ड दुरस्त कर दिया जावेगा।
5. कि प्रार्थीगण ने उस आश्वासन पर अपनी वादग्रस्त खातेदारी जोत मे सडक निर्माण का विरोध नही किया । प्रार्थीगण के खेत खसरा नम्बर 28 रकबा 13 बीधा 16 बिस्वा सडक बन जाने से इसी आराजी के पश्चिम की माठ का रास्ता नकारा हो गया है इस रास्ते